

फर्द अहकाम
(नियम - 26)

अज अदालत उपरवर्त अधिकारी (मुकाम) गोरगाड जिल्हा
मोहासिली गुमानसिंह पुरोहित इसानी बनाम साधुदेवसिंह कोरापुडी
किस्म मुकदमा 212 R.A.M.P. 151 CPC 36/16 सन गोरगाड 12

तारीख हुक्मा	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर या तारीख अहकाम जो इस हुक्म का तामिल में जारी हुए।
24/9/16	<p>कमील पार्सी के पार्सना-पब बिकरु अप्रार्थीगण के अन्तर्गत धारा 212 R.A.M.P. No 0-38-2-1-2, 151 CPC के तहत इस आशय का चेक किया कि "सबसे बड़ा इसानी के खण्ड 239, 241, 246, 243, 244, की पार्सी व अप्रार्थीगण की पैतृक सृष्टि शामिल है जिसमें व्यक्ति के जन्म से ही उसके अधिकार निर्धारित हो जाते हैं। चर्चा स्वर्गीनी गंगु इलाकी सेक्टर 2006 के खण्ड 209 में रहनासिंह गुमानसिंह पीठ नेनासिंह 1/2 तथा लच्छाराम गुणवामसिंह का 1/2 हिस्सा दर्ज है।</p> <p>स्वर्गीनी कन्दोवाल सेक्टर 2010 रू। 13 में खण्ड 233 में रहनासिंह गुमानसिंह पीठ नेनासिंह का 1/2 एवं लच्छाराम गुणवामसिंह पुरोहित 1/2 हिस्सा दर्ज है।</p> <p>लिखित करणम संशोधन आपरेशन पार्सी के इस हिस्से की शर्त का इन्दाज किया गिला, आदेश व इतिवृत्त ले नहीं ली। जज संशोधन विभाग के रूप करने का कोई इतिवृत्त नहीं है। अप्रार्थीगण जज व पार्सी का नाम का इन्दाज नहीं लेने से पार्सी के खण्ड कायम की सृष्टि शामिल को खण्ड करने समझिया दे रहे हैं। कि</p>	

तारीख
हुक्मा

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

18/11/19

पतावली आज पेश हुई वकील प्रवीण उपा
वकील प्रवीण को शेष अपावलीजग के PIF लामन
सक करी करि पेश करने हेतु बात विवक्ष मा
लक्ष्मी अतिन अवसर दिया जाकर पतावली
आदिनांक दिनांक 6/12/19 को मूल पत्र के साथ पेश
हो।

सहायक न्यायाधीश
मराठ

6/12/19

व्यक्ति को न्यायालय में
अनुपस्थित रहने का निर्णय लिया गया है।
अतः पेशी इत्तवा होकर पत्रावली
दिनांक 9/12/19 को पेश हो।

उप खण्ड अधिकारी एवं उप
खण्ड मजिस्ट्रेट, भा.जं.

9/12/19

पतावली आज पेश हुई वकील प्रवीण उपा
वकील प्रवीण ने PIF लामन आदिनांक तक पेश
नहीं किए जवकि दिनांक 18/11/19 को पेश करने
बाबत बात विवक्ष मा लक्ष्मी अतिन अवसर भी
दिया जा चुका है। PIF लामन पेश नहीं करने पर
प्रकरण में अतिम कार्यवाही की जानी संभव नहीं
है अतः दस्तावेज प्रकरण को PIF लामन पेशी
के अभाव में अर्थात् O-9-R-5 CPC के तहत
प्यारीज किया जाता है। पतावली-निर्णय की जाकर
नम्बर ले मय की जाये।
निर्णय आज दिनांक 9/12/19 को खुले न्यायालय
में सुनाया गया।

सहायक न्यायाधीश
मराठ

